हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 13)(नृत्यांगना सुधा चंद्रन – रामाज्ञा तिवारी
(कक्षा 7)

प्रश्न 1:

पाठ से

क:

सुधा के स्वप्नों की इंद्रधनुषी दुनिया में अँधेरा कैसे छा गया ?

क:

सुधा को पाँच वर्ष की अल्पायु में ही मुंबई के प्रसिद्ध नृत्य विद्यालय 'कला–सदन' में प्रवेश दिलवाया गया। सुधा की प्रतिभा देखकर सुप्रसिद्ध नृत्य शिक्षक श्री के.एस. रामास्वामी भागवतार ने उसे शिष्या के रूप में स्वीकार कर लिया और सुधा उनसे नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करने लगी। जल्द ही सुधा के नृत्य कार्यक्रम विद्यालय के आयोजनों में होने लगे। नृत्य के साथ–साथ, अध्ययन में भी सुधा ने अपनी प्रतिभा दिखाई लेकिन सुधा के स्वप्नों की इंद्रधनुषी दुनिया में एकाएक 2 मई,1981 को अँधेरा छा गया। 2 मई को तिरूचिरापल्ली से मद्रास जाते समय उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना के एक महीने बाद सुधा की दायीं टाँग घुटने के साढ़े सात इंच नीचे से काट दी गई।

ख:

डॉ. सेठी ने सुधा के लिए क्या किया ?

ख:

डॉ. सेठी ने सुधा को आश्वस्त किया कि वह दुबारा सामान्य ढँग से चल सकेगी। इस पर सुधा ने पूछा क्या मैं नाच सकूँगी ? , डॉ. सेठी ने कहा क्यों नहीं, प्रयास करो तो सब कुछ संभव है। ,डॉ. सेठी ने सुधा के लिए एक विशेष प्रकार की टाँग बनाई जो अल्यूमिनियम की थी और इसमें ऐसी व्यवस्था थी कि वह टाँग को आसानी से घुमा सकती थी। लेकिन अभ्यास के दौरान टाँग से खून निकलने लगा तब डॉ. सेठी ने सुधा के नृत्य प्रशिक्षक से नृत्य हेतु पाँवों की विभिन्न मुद्राओं को गंभीरता से देखा–परखा और एक नयी टाँग बनवाई, जो नृत्य की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। टाँग लगाते समय डॉ.सेठी ने सुधा से कहा मैं जो कुछ कर सकता था मैंने कर दिया, अब तुम्हारी बारी है। ,

ग:

सुधा पूरे भारत में कैसे लोकप्रिय हो गई ?

ग:

28 जनवरी, 1984 को मुंबई के 'साउथ इंडिया वेलफेयर सोसायटी' के हाल में एक अन्य नृत्यांगना प्रीति के साथ सुधा ने दुबारा नृत्य के सार्वजनिक प्रदर्शन का आमंत्रण स्वीकार कर लिया।यह दिन सुधा जिंदगी का संभवतः सबसे कठिन दिन था, उस दिन से भी ज्यादा जबकि उसका पाँव काट दिया गया था। सुधा का यह प्रदर्शन बेहद सपफल रहा। चहेतों ने उसे देखते–देखते पलकों पर उठा लिया

प्रश्न 2:

विलोम शब्द लिखो

उत्तर 2:

आशा – निराशा

कठिन – सरल

आदर – निरादर

अँधेरा – उजाला

आकार – निराकार

इच्छा – अनिच्छा

प्रश्न 3:

.सही चिह्न लगाओ

, " " । , ?

सुधा ने पूछा क्या मैं नाच सकूँगी डॉ. सेठी ने कहा क्यों नहीं प्रयास करो तो सब कुछ संभव है

उत्तर 3:

सुधा ने पूछा , " क्या मैं नाच सकूँगी ? " डॉ. सेठी ने कहा क्यों नहीं , प्रयास करो तो सब कुछ संभव है ।

प्रश्न 4:

क्या पहले, क्या बाद में

नीचे सुधा चंद्रन के जीवन की कुछ घटनाएँ बताई गई हैं। इन्हें सही क्रम में लगाओ।

- सुधा डॉ. सेठी से मिली।
- सुधा नृत्य का फिर से प्रशिक्षण लेने लगी।
- सुधा ने प्रीति के साथ नृत्य किया।
- सुधा को अभिनय के लिए विशेष पुरस्कार मिला।
- सुधा का पैर काटना पड़ा।
- सुधा ने नृत्य विद्यालय में प्रवेश लिया।

उत्तर 4:

- सुधा ने नृत्य विद्यालय में प्रवेश लिया।
- सुधा का पैर काटना पड़ा।
- सुधा डॉ. सेठी से मिली।
- सुधा नृत्य का फिर से प्रशिक्षण लेने लगी।
- सुधा ने प्रीति के साथ नृत्य किया।
- सुधा को अभिनय के लिए विशेष पुरस्कार मिला।

प्रश्न 5:

एक चुनौती

शारीरिक शब्द में एक साथ ि ी की मात्राओं का प्रयोग होता है। तुम भी ऐसे ही अन्य शब्द खोजो और यहाँ लिखो।

नमूना विनती शारीरिक नीति

उत्तर 5:

खिड़की , छिपकली , लीची

किफायती , विलायती , हिमायती

फिरकी , खिड़की , झिड़की

प्रश्न 6:

खोजबीन और बातचीत

क:

सुधा के जीवन पर फिल्म बनी थी। कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम पता करो और लिखो, जिनके जीवन पर फिल्में बनाई गईं हों।

क:

मैरीकाम , सचिन तेन्दुलकर ,फोगट बहनें , आदि ।

ख:

सुधा यात्रा वेफ दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुई थीं। पता करो कि यात्रा के दौरान दुर्घटना से कैसे बचा जा सकता है? सावधानियों की सूची बनाओ।

ख:

बच्चे अपने अनुसार सूची बनाएंगे

ग:

क्या तुम किसी विकलाँग व्यक्ति को जानते हो? उसके बारे में बताओ।

ग:

बच्चे अपने अनुसार अपने अनुभव कक्षा में बताएंगे ।

घ:

कुछ ऐसे विकलाँग व्यक्तियों के नाम लिखो जिन्होंने जीवन में विशेष सफलता प्राप्त की है।

घ:

रवींन्द्र जैन (गायक)

गिरीश शर्मा (बैडमिन्टन)

शेखर नायक (ब्लाइन्ड क्रिकेट वर्ल्ड कप चैम्पियन)

सॉई प्रसाद विश्वनाथन (स्काईडाइवर)।

ङः
भारत के कुछ नृत्यों और नर्तक/नर्तकियों के नाम पता करो और कक्षा में सबको बताओ।
ङः
भारत में अनेक प्रकार के नृत्य है जैसे –

कुचिपुडी	कौशल्या रेड्ड़ि
ओडिसी	सोनल मान सिंह
कत्थकली	कलामंडलम गोपी
मनिपुरी	गुरु बिपिंग सिंह

चः
पता करो भारत में मैग्सेसे पुरस्कार किन–किन व्यक्तियों को मिला है।
चः

संदीप पांडेय	2002
दीप जोशी	2009
नीलिमा मिश्रा	2011
संजीव चतुर्वेदी	2015